पीएलआई में 2.16 लाख करोड़ का निवेश

14 सेक्टरों में निवेश से 14.39 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए

उद्योग और अर्थव्यवस्था को मिला नया प्रोत्साहन

नई दिल्ली, 20 फरवरी. प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम (पीएलआई) स्कीम के तहत अब तक देश के 14 सेक्टर्स में 2.16 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है. इससे 14.39 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं. यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को दी गई.

मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि अब तक (31 दिसंबर, 2025 तक) इस योजना में 14 क्षेत्रों से 836 आवेदन आए हैं और कुल 2.16 लाख करोड़ रुपए का निवेश हुआ है. बयान में आगे कहा कि पीएलआई स्कीम के तहत लगाए गए प्लांट्स की कुल बिक्री 20.41 लाख रुपए से अधिक रही है. इसमें से 8.3 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया है.

पीएलआई स्कीम के तहत सरकार ने अब तक 28,748 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया है. सरकार ने बताया कि पीएलआई योजना ने भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम को मजबूत किया है जिससे देश मोबाइल फोन और आईटी हार्डवेयर उत्पादों जैसे लैपटॉप, टैबलेट, सर्वर और ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित हुआ है.

> वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि पीएलआई को 2020 में भारत के विनिर्माण आधार को मजबूत करने, आयात पर निर्भरता कम करने, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और रोजगार सृजन के लिए एक महत्वपूर्ण सुधारात्मक पहल के रूप में शुरू किया गया था. यह योजना प्रदर्शन-आधारित वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से उत्पादन में वृद्धि को बढ़ावा देती है, जिससे उत्पादन का विस्तार, प्रौद्योगिकी को अपनाना और आपूर्ति श्रृंखला का एकीकरण संभव हुआ है.

वित्त वर्ष 26 में वाहन बिक्री में उछाल

नई दिल्ली, 20 फरवरी. भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 26 में 5-7 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है. यात्री वाहन बाजार को मांग, जीएसटी में कटौती और नए मॉडल्स की लॉन्चिंग से फायदा हो रहा है. गाड़ियों की थोक बिक्री जनवरी में क्रमिक रूप से 14 प्रतिशत बढ़ी है. मांग को देखते हुए कंपनियों ने उत्पादन को बढ़ाया है. भारत में जनवरी में यात्री वाहनों की खुदरा बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि थोक बिक्री में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 45 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई. रिपोर्ट में कहा गया, 'लगातार मांग में तेजी, जीएसटी दरों में कटौती और नए मॉडल लॉन्च होने के कारण जनवरी 2026 में दोपहियायात्री वाहन दोनों सेगमेंट में घरेलू मांग में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई.

हिंडाल्को के साथ एम्ब्रेयर समझौता

मेक इन इंडिया के तहत विशेष ग्रेड एल्यूमीनियम उत्पादन को बढ़ावा

नयी दिल्ली, 20 फरवरी ब्राजील की विमान बनाने वाली कंपनी एम्ब्रेयर ने खनन क्षेत्र की भारतीय कंपनी हिंडाल्को के साथ भारत में साझा व्यावसायिक अवसरों की तलाश के लिए शुक्रवार को एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये.

एम्ब्रेयर ने बताया कि इस संयुक्त पहल का उद्देश्य विमानन में इस्तेमाल होने वाले विशेष ग्रेड के एल्यूमीनियम से बने कच्चे माल के निर्माण में संभावनाओं की पहचान करना है ताकि 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा दिया जा सके.

उल्लेखनीय है कि कंपनी ने महिंद्रा और अडानी समूहों के साथ भारत में विमान निर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए समझौते किये हैं.

एम्ब्रेयर में वैश्विक खरीद और आपूर्ति श्रृंखला के कार्यकारी उपाध्यक्ष रॉबर्ट चेव्स ने कहा, 'यह संयुक्त पहल स्थानीय साझेदारों की पहचान करने पर हमारे फोकस को और मजबूत करती है, जो हमारे आपूर्तिकर्ता बन सकें और इस प्रक्रिया में भारतीय औद्योगिक आधार के विकास को गति दें.'

> वर्तमान में एम्ब्रेयर के 47 विमान भारत में विभिन्न ऑपरेटरों द्वारा परिचालन में हैं. इसमें वाणिज्यिक विमानन, बिजनेस एयर ऑपरेटर और रक्षा एवं सुरक्षा क्षेत्र के ग्राहक शामिल हैं. इनमें केंद्र सरकार द्वारा संचालित पाँच एम्ब्रेयर वीआईपी जेट तथा भारतीय वायु सेना द्वारा संचालित तीन ईएमबी 145 एईडब्ल्यू (एयरबोर्न अर्ली वार्निंग) 'नेत्र' विमान शामिल हैं.

सलेम साबूदाना जीआई टैग के साथ कनाडा पहुंचा

भारत की वैश्विक बाजार में पहचान मजबूत होगी

कृषि निर्यात को सशक्त बनाने की पहल

नयी दिल्ली, 20 फरवरी तमिलनाडु में सलेम इलाके का प्रसिद्ध साबूदाना अब कनाडा के बाजार में निर्यात किया जा रहा है. सलेम के साबूदाना की एक विशिष्ट पहचान है तथा इसके व्यापार के लिए इसे विधिवत विशिष्ट भौगोलिक पहचान टैग दी गयी है.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एजेंसी-कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) ने इस उत्पाद को विदेशी बाजार में पहुंचाने में मदद की है. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सलेम-साबूदाना की इस उपलब्धि पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर जीआई-टैग प्राप्त कृषि उत्पादों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने में योगदान के लिए एपेडा की सराहना की है. उन्होंने गुरुवार को लिखा, ' एपेडा को तमिलनाडु से कनाडा के लिए पहले जीआई-टैग प्राप्त सलेम साबूदाना के खेप को रवाना करने में सहयोग देने के लिए हार्दिक बधायी. ' श्री गोयल ने लिखा कि यह निर्यात पहल बड़ी संख्या में साबूदाना किसानों, विशेषकर टैपिओका साबूदाना की खेती से जुड़े आदिवासी समुदायों के लिए महत्वपूर्ण अवसरों के द्वार खोलेगी. इससे उनकी आय में वृद्धि होगी, वैश्विक बाजारों तक बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी, और साथ ही भारत के कृषि निर्यात को और सशक्त बनाने में मदद मिलेगी. ' सलेम से कनाडा को पांच क्विंटल जीआई-टैग वाले साबूदाने की पहली खेप भेजी गयी है. मार्च 2023 में सलेम के साबूदाने को भौगोलिक संकेत टैग प्राप्त होने के बाद, इस जीआई प्रमाण-पत्र का अधिकृत उपयोग करने वाली सहकारी इकाई सागोसर्व द्वारा सीधे भेजा गया पहला निर्यात है.

> सलेम साबूदाने को परम्परागत रूप से महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और पश्चिम बंगाल के व्यापारी खरीदते रहे हैं. इसे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, वियतनाम और सिंगापुर जैसे देशों में निर्यात किया जाता है. इसे जीआई टैग मिलने के बाद व्यापार में इस जीआई टैग के उपयोग के लिए अधिकृत संस्था द्वारा निर्यात की गयी पहली खेप कनाडा को गयी है. अन्य प्रमुख बाजारों में निर्यात की संभावनाओं को तलाशने के लिए बुधवार को तमिलनाडु के सलेम स्थित सलेम स्टार्च एंड सैगो मैन्युफैक्चरर्स सर्विस इंडस्ट्रियल कोऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड के परिसर में एक निर्यात-केंद्रित कार्यक्रम भी आयोजित किया गया.

ऑफिस बाजार में जीसीसी का दबदबा बढ़ा

नई दिल्ली, 20 फरवरी: भारत में वैश्विक क्षमता केंद्र का तेजी से विस्तार हो रहा है. रिपोर्ट के अनुसार, देश के प्रमुख सात शहरों में ऑफिस स्पेस की कुल मांग का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा अब वैश्विक क्षमता केंद्र की ओर से आने की संभावना है. अब केवल लागत बचाने वाले कार्यालय नहीं रहे हैं, बल्कि वे अनुसंधान विकास, इंजीनियरिंग, उन्नत विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में नवाचार के केंद्र बन चुके हैं. साल 2020 से अब तक कुल 310 मिलियन वर्ग फुट ऑफिस स्पेस की मांग में से लगभग 117 मिलियन वर्ग फुट, यानी 38 प्रतिशत, वैश्विक क्षमता केंद्रों से आई है. साल 2020 में मांग करीब 16 मिलियन वर्ग फुट थी, जो 2025 तक लगभग 30 मिलियन वर्ग फुट तक बढ़ने की उम्मीद है.

अमेरिका-ईरान तनाव से सोना और चांदी में तेजी

1,55,105 रुपए पर पहुंचा सोना

2,43,083 रुपए पर आई चांदी

मुंबई, 20 फरवरी. ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के चलते सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीकेक्स) पर सुबह 9:48 पर सोने के 2 अप्रैल के कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 291 रुपए या 0.19 प्रतिशत बढ़कर 1,55,105 रुपए और चांदी की कीमत 1,690 रुपए या 0.70 प्रतिशत बढ़कर 2,43,083 रुपए थी. सोने और चांदी में तेजी की वजह अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव के चलते सुरक्षित निवेश में खरीदारी बढ़ना है.

वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी को सुरक्षित निवेश माना जाता है, जब भी दुनिया में संघर्ष या तनाव बढ़ता है तो इन दोनों कीमती धातुओं में तेजी देखी जाती है. घरेलू के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखी जा रही है. खबर लिखे जाने तक कॉमेक्स पर सोना 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 5,009 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 77.815 प्रति औंस पर थी. बीते एक साल में वैश्विक अस्थिरता के चलते सोने की कीमत में 70 प्रतिशत और चांदी की कीमत में 132 प्रतिशत तक की बढ़त देखी गई है. सोने-चांदी की कीमत में ऐसे समय पर तेजी देखी जा रही है, जब डॉलर इंडेक्स भी मजबूत बना हुआ है. डॉलर इंडेक्स 98 पर है.

गिरावट के बाद शेयर बाजार में आई तेजी

सेंसेक्स 82,814 और निफ्टी 25,571 पर बंद

संकटकालीन माहौल के कारण निवेशकों का मनोबल प्रभावित हुआ

मुंबई, 20 फरवरी: भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को गिरावट के बाद मजबूत वापसी दिखाई और हरे निशान में बंद हुआ.

कारोबार के अंत में सेंसेक्स 316.57 अंक की तेजी के साथ 82,814.71 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 116.90 अंकों की बढ़त के साथ 25,571.25 पर बंद हुआ. यह उछाल पिछले सत्र में आई तेज गिरावट के बाद निवेशकों के माहौल में सुधार को दर्शाता है.

बाजार की यह रिकवरी मुख्य रूप से बैंकिंग और मेटल शेयरों की मजबूत खरीदी के कारण हुई. पीएसयू बैंक और मेटल सेक्टर में खरीदारी से बाजार को सहारा मिला, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक हरे निशान में लौट आए. बुधवार को आईटी क्षेत्र के शेयरों ने कमजोर प्रदर्शन किया, जबकि भारी कंपनियों जैसे लार्सन एंड टुब्रो और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने खरीदारी का नेतृत्व किया.

इससे पहले गुरुवार को बाजार में व्यापक बिकवाली देखी गई थी, जब अमेरिका और ईरान के बीच संकटकालीन माहौल के कारण निवेशकों का मनोबल प्रभावित हुआ और दोनों प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहे.

टाटा पंच ईवी का नया अवतार पेश

मुंबई, 20 फरवरी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स ने शुक्रवार को अपने लोकप्रिय इलेक्ट्रिक वाहन पंच.ईवी को नये अवतार में पेश किया है जिसकी मुंबई में एक्स-शोरूम कीमत 9.69 लाख रुपये से शुरू होती है.

कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह एक बार चार्ज करने पर शहर के ट्रैफिक में 355 किमी तक चलती है. इसे तीन संस्करणों स्मार्ट, एडवेंचर और एम्पावर्ड में पेश किया गया है. बैटरी-एज-ए-सर्विस के विकल्प के साथ शुरुआती मॉडल की एक्स-शोरूम कीमत 6.49 लाख रुपये हो जाती है. इसमें बैटरी के लिए एक समान किस्त तकरीबन 2.6 रुपये प्रति किमी होगी (यह मानते हुए कि वाहन रोजाना औसतन 60 किमी चलता है). स्मार्ट मॉडल में 30 किलो वाट आवर (केडब्ल्यूएच) की बैटरी दी गयी है. इसकी एक्स-शोरूम कीमत 9.69 लाख रुपये है. स्मार्ट प्लस 30 केडब्ल्यूएच की बैटरी के साथ 10.29 लाख रुपये और 40 केडब्ल्यूएच की बैटरी के साथ 10.89 लाख रुपये की है.

एडवेंचर, एम्पावर्ड और एम्पावर्ड प्लस में 40 केडब्ल्यूएच की बैटरी है और इनकी कीमत क्रमश: 11.59 लाख, 1.29 लाख और 12.59 लाख रुपये है.

राजस्व में अमेज़न ने वॉलमार्ट को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, 20 फरवरी. अमेज़न ने 2025 के लिए अपनी कुल कमाई में वॉलमार्ट को पछाड़कर दुनिया की सबसे अधिक राजस्व (सेल) कमाने वाली कंपनी बनने का गौरव प्राप्त किया है. वित्त वर्ष 2025 में अमेज़न की कुल कमाई **716.9 अरब डॉलर** दर्ज की गई, जबकि वॉलमार्ट की सालाना कमाई **713.2 अरब डॉलर** रही. इस प्रकार अमेज़न ने वॉलमार्ट को राजस्व के मामले में पीछे छोड़ दिया है और यह बदलाव वैश्विक कारोबार पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव रखता है.

भारत में मिली हवाई टैक्सी को मंजूरी

36 किलोमीटर की दूरी 8 मिनट में

भारत की पहली एआई हवाई टैक्सी पेश

नई दिल्ली, 20 फरवरी भारत में तकनीकी प्रगति इतनी तेजी से हो रही है कि अब विज्ञान कथा जैसी चीजें वास्तविकता में बदल रही हैं. ऐसे ही बदलाव का उदाहरण है कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संचालित हवाई टैक्सी, जिसे इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में पेश किया गया.

इसे ई-वीटी ओएल (इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेक-ऑफ और लैंडिंग) विमान कहा जाता है. यह सामान्य हवाई यात्रा की सीमाओं को तोड़ने के लिए तैयार है. यह हवाई टैक्सी विशेष रूप से उन शहरों के लिए विकसित की गई है जहाँ सड़क मार्ग पर यातायात अधिक होता है और यात्रियों को लंबा समय लग जाता है. उदाहरण के लिए, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से यूबी सिटी तक सड़क मार्ग से यात्रा में लगभग दो घंटे लगते हैं और लागत लगभग 1,000 रुपये आती है. लेकिन इस हवाई टैक्सी के जरिए वही दूरी केवल आठ मिनट में तय हो जाएगी और अनुमानित किराया 1,700 रुपये होगा. यह विमान आईआईटी मद्रास और द ई प्लेन कंपनी के सहयोग से विकसित किया गया है. इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह बिना रनवे के सीधे टेक-ऑफ और लैंडिंग कर सकता है.

समाचार विशेष

2027 के लिए बीजेपी ने बनाया प्लान डी

लखनऊ. यूपी की राजनीति में सत्ता की सीढ़ी चढ़ने के लिए दलित वोट बैंक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. एक तरफ अखिलेश यादव यादव, गैर यादव पिछड़ा यानी पीडीए पॉलिटिक्स के जरिए प्रदेश की सत्ता में एक बार फिर वापसी की कोशिशों में जुटे हुए हैं. दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी का प्रयास कर रही है. इसको लेकर पार्टी की ओर से रणनीति को तैयार किया जा रहा है. इस बार बीजेपी ने 'डी' प्लान बनाया है.

बीजेपी ने 15 दलित महापुरुषों का कैलेंडर तैयार कराया है. इनकी जयंती- पूण्यतिथि के कार्यक्रमों से इस समाज के लोगों से वर्षों भर मुलाकात का कार्यक्रम तैयार किया है. इनमें कांशीराम से लेकर संत रविदास तक शामिल हैं. पहले ही भाजपा ने मायावती पर सीधे हमले से परहेज किया है. पार्टी किसी भी दलित महापुरुष और नेता से सीधे उलझती नहीं दिख रही है. यह संदेश जमीन तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है. दरअसल, अखिलेश यादव की पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए पॉलिटिक्स की काट के तौर पर रणनीति को तैयार किया जा रहा है. योगी आदित्यनाथ सरकार भी समाज के हर वर्ग तक सरकार की योजनाओं के पहुंचाए जाने की रणनीति में जुटी है.

2024 में छिटका दलित वोट- यूपी चुनाव 2022 में योगी-मोदी सरकार की नीतियों, कोरोना काल में अन्न योजना के प्रभाव ने दलित वोट बैंक के एक बड़े हिस्से को भाजपा से जोड़ा. ऐसे में सॉलिड गैर-यादव ओबीसी वोट बैंक में भटकाव से अधिक असर पार्टी को नहीं हुआ. हालांकि, लोकसभा चुनाव में संविधान बदलने के मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाकर और पीडीए पॉलिटिक्स के जरिए बसपा से छिटकने वाले दलित वोट के एक बड़े हिस्से को पार्टी के साथ जोड़ने में अखिलेश यादव कामयाब रहे.

बीजेपी की दलित पॉलिटिक्स

यूपी चुनाव 2027 के लिए भाजपा ने अब दलित पॉलिटिक्स पर जोर देना शुरू कर दिया है. लोकसभा चुनाव में छिटके दलित वोटरों को साधने की रणनीति तैयार की जा रही है. भाजपा ने इसके लिए नए सिरे से सोशल इंजीनियरिंग शुरू कर दी है. पार्टी की रणनीति के केंद्र में दलित महापुरुष, उनकी विरासत और समाज के लोगों से लगातार संवाद है. इस संवाद के जरिए समाज के निचले हिस्से तक पार्टी अपने संदेश और कार्यों को पहुंचाने की तैयारी में है.

क्या भाजपा की 'जयंती पॉलिटिक्स' खेल बदल पाएगी?

नदिया की सीटों पर भाजपा-टीएमसी की रणनीतियां चुनाव को दिलचस्प बना रही

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव 2026 से पहले नदिया का नवद्वीप इस समय राजनीति का सबसे चर्चित केंद्र बन गया है. यहां मनाई गई श्रीला भक्तिसिद्धांत सरस्वती ठाकुर प्रभुपाद की 152वीं जयंती न सिर्फ एक धार्मिक आयोजन है, बल्कि इसे बड़े स्तर पर सियासी संदेश देने की भी कोशिश है.

कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की होने वाली मौजूदगी ने इसे सीधे चुनावी परिदृश्य से जोड़ दिया है. विशेषकर मतुआ समुदाय और नदिया जिले की सीटों से. यह आयोजन ऐसे समय होने जा रहा है जब नदिया और मतुआ वोट बैंक बंगाल की राजनीति में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं. विश्लेषकों का मानना है कि यह धार्मिक मंच के बहाने राजनीतिक संदेश का सीधा उदाहरण है, जिसमें भाजपा अपने प्रमुख समुदायों तक फिर से पहुँच बनाने की कोशिश कर रही है.

नदिया जिले की सीटें नवद्वीप, नदिया उत्तर, नदिया दक्षिण और मतुआ प्रभावित उप-क्षेत्र हमेशा चुनावी गणित तय करने में बड़ी भूमिका निभाते रहे हैं. मतुआ समुदाय बंगाल में बसे बंगाली हिंदुओं का बड़ा और संगठित वोटर समूह है. इस समुदाय का राजनीतिक झुकाव सीधे चुनाव परिणाम पर असर डालता है. मतुआ समुदाय की धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से भावनात्मक जुड़ाव बेहद गहरा है. ऐसे में अमित शाह का इस जयंती समारोह में आना राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है कि भाजपा इस समुदाय तक अपना संवाद और मजबूत करना चाहती है.

वोटिंग पैटर्न और दलों का क्या रहा है प्रभाव

पिछले चुनावों में भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनाव और 2019 तथा 2024 के लोकसभा चुनावों में बोंगा और रानाघाट विधानसभा क्षेत्रों में अच्छी पकड़ बनाई थी, खासकर मतुआ वोट बैंक के प्रभाव से. तृणमूल कांग्रेस ने भी इन क्षेत्रों में अपने स्थानीय संगठन और सामाजिक समीकरणों के आधार पर मतदाता समर्थन बनाए रखा है.

पुराने स्टाइल में राहुल का काम

नई दिल्ली. राहुल गांधी ने अपनी राजनीति के शुरुआती दिनों में पार्टी संगठन को लोकतांत्रित बनाने के लिए चुनाव का तरीका निकाला था. उन्होंने प्रदेशों में पार्टी की यूथ विंग और छात्र शाखा एनएसयूआई के अध्यक्षों के चुनाव कराए थे.

उस समय कांग्रेस पार्टी केंद्र की सरकार में थी इसलिए इन चुनावों का खूब माहौल बना था. हालांकि यह प्रयोग बुरी तरह से फेल हो गया था. हर राज्य में पार्टी के बड़े नेताओं के बेटे, बेटियों ने किसी तरह से चुनाव जीत लिए थे. बाद में राहुल ने इस तरह से नेता चुनने की प्रक्रिया समाप्त कर दी थी. हालांकि उसके बाद भी वे अपनी पसंद से ही नेता चुनते हैं और ज्यादातर ऐसे गुमनाम चेहरों को आगे करते हैं, जिनसे पार्टी के पुराने नेता असहज हो जाते हैं.

अब वे कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई का अध्यक्ष चुन रहे हैं. इस बार चुनाव की बजाय उन्होंने नेताओं की परीक्षा ली है. यह परीक्षा ग्रुप डिस्कशन और सवाल जवाब की शक्ल में हुई. मंगलवार को राहुल गांधी देश भर के 15 युवा नेताओं से मिले. राहुल के साथ एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार भी मौजूद थे.

विशेष रेवंत ने ओवैसी से हाथ मिलाकर तेलंगाना में बदली सियासत!

'पतंग' के सहारे बीजेपी का किला ढहाया

हैदराबाद. भारतीय राजनीति का सामान्य दस्तूर है कि सत्ता में आने के बाद एंटी-इन्कम्बेंसी (सत्ता विरोधी लहर) का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने इस मिथक को चकनाचूर कर दिया है. विधानसभा और लोकसभा के बाद अब स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों ने साबित कर दिया है कि राज्य में कांग्रेस का झंडा मजबूती से लहरा रहा है, केसीआर की बीआरएस (BRS) का 'गुलाबी रंग' फीका पड़ चुका है और बीजेपी का 'भगवा' फिलहाल कांग्रेस की लहर को चुनौती देने में संघर्ष कर रहा है.

इन चुनावों की सबसे बड़ी और चौंकाने वाली सुर्खी रही रेवंत रेड्डी और असदुद्दीन ओवैसी की नई केमिस्ट्री. कुछ समय पहले तक ये दोनों नेता एक-दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाते थे. रेवंत ओवैसी को बीआरएस की बी टीम बताते थे, तो ओवैसी उन्हें आरएसएस का आदमी कहकर हमला करते थे. लेकिन सत्ता के समीकरणों ने पुरानी रंजिशों की जगह नई दोस्ती को जन्म दे दिया है.

बीआरएस के ताबूत में ठोंक दी आखिरी कील- निज़ामाबाद नगर निगम में कांग्रेस के 'हाथ' और एमआईएम (AIMIM) की 'पतंग' ने मिलकर न केवल बीजेपी का रास्ता रोका, बल्कि बीआरएस के ताबूत में आखिरी कील भी ठोंक दी. यहां बीजेपी 28 पार्षदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन रेवंत रेड्डी ने मास्टरस्ट्रोक चलते हुए ओवैसी की ओर हाथ बढ़ाया. कांग्रेस के 17 और एमआईएम के 14 पार्षदों ने हाथ मिलाया और बीजेपी के जबड़े से मेयर की कुर्सी छीन ली. कांग्रेस की उमा रानी मेयर बनीं और एमआईएम को डिप्टी मेयर का पद मिला. यह गठबंधन रेवंत की उस पावर पॉलिटिक्स का हिस्सा है, जहां बीजेपी को रोकने के लिए वे विचारधारा और रंजिश को किनारे रखने का दम रखते हैं.

निकाय चुनावों का कलर कोड और रेवंत का जादू

तेलंगाना में कुल 13 नगर निगम हैं, जिनमें से 7 पर चुनाव हुए. कांग्रेस ने इनमें से 5 पर अपना परचम लहराया है. 116 नगर पालिकाओं में से 80 से अधिक पर कांग्रेस का कब्जा रेवंत रेड्डी की 'प्रजा-पालना' (जनता का शासन) नीति पर जनता की मुहर है. वैसे, करीमनगर में बीजेपी ने कांग्रेस और बीआरएस को धूल चटाते हुए अपना मेयर बनाया, जो रेवंत के लिए एक चेतावनी भी है कि हिंदू बहुल शहरी इलाकों में बीजेपी अभी भी एक कड़ी चुनौती बनी हुई है.